Seventeenth Loksabha

an>

Title: Issue regarding suspension of 500 employees working in Zila council and Gram Panchayats in Dadra and Nagar Haveli Parliamentary Constituency.

श्री मोहनभाई सांजीभाई देलकर : सर, बहुत संवदेनशील और बहुत ही गम्भीर मामला मेरे प्रदेश दादरा और नागर हवेली में दो दिन पहले हुआ है । वहाँ 500 कर्मचारियों को बर्खास्त किया गया है, निकाल दिया गया है, जो जिला परिषद में काम करते थे और विलेज पंचायत में काम करते थे । छोटे परिवार के लोग हैं । वे 20-25 सालों से काम कर रहे थे, उसी आमदनी से उनका घर चलता था । उनके बच्चे पढ़ते थे । वे सारे जिला परिषद और ग्राम पंचायतों में कार्यरत थे । जिला पंचायत के जो अध्यक्ष हैं, उनको पता भी नहीं चला । विलेज पंचायत के प्रधान को भी पता नहीं चला और ये सारे परिवार आज बहुत तकलीफ में हैं । उनके घर में आज बच्चों को पढ़ाना मुश्किल हो गया है । मैं चाहता हूँ कि केन्द्र शासित प्रदेश सीधे गृह मंत्रालय के अधीन आता है । तुरंत भारत सरकार इसमें दखल दे, अन्यथा 500 परिवार बर्बाद हो जाएँगे । आपने दो दिन पहले हाउस में ही कहा । उसमें कुछ महिलाएँ हैं, महिलाएँ मिड-डे-मील में काम करती थीं । आपने यह सजेस्ट किया, आपने सारे माननीय सदस्यों को कहा कि आप सब सहभागी बने, वे महिलाएँ मिड-डे-मील में काम करती थी, उन महिलाओं को भी निकाल दिया गया । मैं सबसे गम्भीर बात यह करना चाहता हूँ कि जिन महिलाओं को मिड-डे-मील निकाल दिया गया, मिड-डे-मील की जो स्कीम है, वह एक प्राइवेट एजेंसी को दी गई है । वह एजेंसी दो दिन से वहां डायरेक्ट मिड-डे-मील बच्चों को देती है । दो दिन पहले की यह रिपोर्ट है ।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आपने विषय रख दिया है ।

श्री मोहनभाई सांजीभाई देलकर : वहाँ के सारे अखबारों में यह निकला है कि मिड-डे-मील में जो एजेंसी डिस्ट्रिब्यूट कर रही है, उसमें कॉकरॉच निकले, कीड़े

निकले । इसलिए यह बहुत ही गम्भीर मामला है । एक तरफ बहनों को निकाल दिया, महिलाओं को निकाल दिया, परिवार आज मुश्किल में हैं ।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : श्री दुर्गा प्रसाद राव, आप बोल चुके ।

श्री मोहनभाई सांजीभाई देलकर : मैं चाहता हूँ कि सरकार इसमें बयान दें ।... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : श्री गोपाल जी ठाकुर ।

श्री मोहनभाई सांजीभाई देलकर : वे परिवार बहुत मुश्किल में हैं । सर, प्लीज मैं आपसे रिक्वेस्ट करता हूँ कि इस हाउस से उनको न्याय मिलना चाहिए । मंत्री महोदय, यहां बैठे हैं ।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : माननीय सदस्य, मैंने आपको आउट ऑफ टर्न मौका दिया है । प्लीज बैठ जाइये।

श्री मोहनभाई सांजीभाई देलकर : सर, यह बहुत गम्भीर मामला है।... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आपकी बात मैंने गम्भीरता से ले ली है ।

श्री गोपाल जी ठाकुर ।